वित्तीय समावेशन - क्या, क्यों और कैसे ?

बैंक का खाता करे कमाल, इससे होंगे सभी खुशहाल

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
उ.प्र. क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ

1. वित्तीय समावेशन क्या है?

समाज के वंचित, असहाय और कमजोर वर्ग को कम लागत एवं सही समय पर पर्याप्त मात्रा में ऋण और वित्तीय सेवाएँ उपलब्ध कराने की प्रक्रिया वित्तीय समावेशन कहलाती है।

2. वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम क्यों?

वित्तीय समावेशन का उद्देश्य निर्धनों को संस्थागत वित्तीय सेवाओं के दायरे में लाकर उन्हें गरीबी के अभिशाप से मुक्त कराना है।

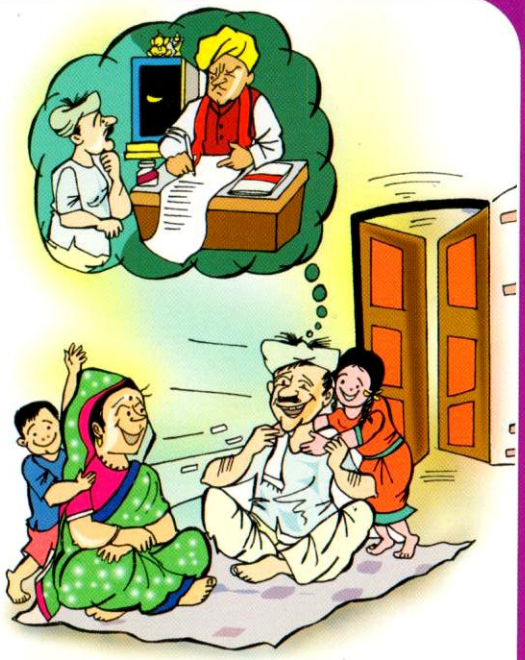

साहूकार से छुड़ा लो नाता,
बैंक में अब खुल जाये "नो फ्रिल" खाता

नियमित बचत, पेंशन खाता,
बुढ़ापे का सुरक्षा छाता

3. बैंक से जुड़ने के क्या फायदे हैं?

बैंक से जुड़ कर : (i) बचत (ii) ऋण, (iii) बीमा, (iv) धन प्रेषण व (v) वित्तीय सलाह की सुविधाएँ प्राप्त कर सकते हैं तथा साहूकार के शिकंजे से निकल सकते हैं।

4. क्या गरीब भी बैंकों में बिना पैसे खाता खोल सकते हैं?

हाँ, गरीब बैंकों में बिना पैसों के **'नो फ्रिल'** खाता, खोल सकते हैं।

5. बचत के लिए पैसे कहाँ हैं? गरीब बचत कैसे करें ?

- गैर जरूरी खर्चों का त्याग करें।
- अपना समय उत्पादक कार्यों में लगाएं।
- छोटी–छोटी बचत से ही बड़ी बचत होती है।
- बचत का पैसा बैंक में रखे तथा उस पर ब्याज कमायें।
- बचत के पैसे को लागत में लगाएं और धन कमाएं।

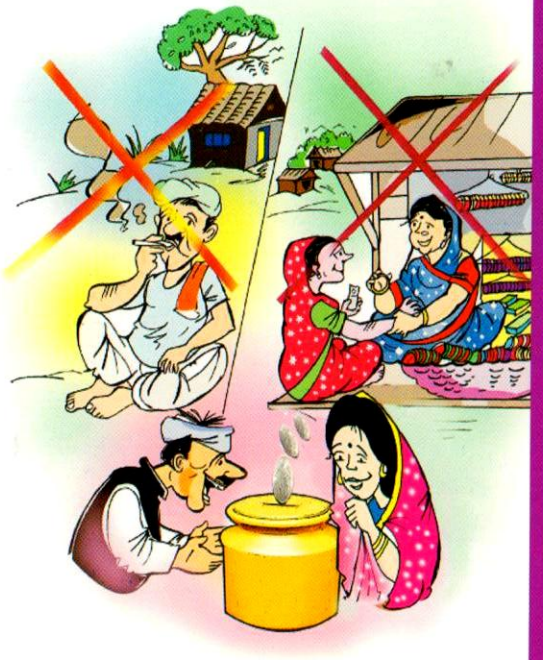

गैर जरूरी खर्चे छोड़ो,
थोड़ा पैसा नियमित जोड़ो

6. अपनी आकस्मिक व व्यावसायिक जरूरत के लिए पैसे कहाँ से लेना चाहिए?

- सबसे पहले तो **बचत** को आदत बनाएँ। बिना नियमित बचत के ऋण जी का जंजाल बन सकता है।
- बैंक से ऋण लेने के लिए **स्वंय सहायता समूह** से जुड़ें व नियमित बचत करें तथा अपनी छोटी–छोटी आकस्मिक व व्यावसायिक जरूरतें को पूरा करें।
- सीमांत व भूमिहीन किसान, **संयुक्त देयता समूह** के माध्यम से बैंकों से ऋण ले सकते हैं।
- खेती भू स्वामी – **किसान क्रेडिट कार्ड** के माध्यम से बैंकों से आसानी से ऋण ले सकते हैं।

- जिस व्यक्ति के पास अपना स्वयं का रोज़गार है, जैसे कुम्हार, बढ़ई, दुकानदार, दर्जी, आदि वे **स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड** के माध्यम से बैंकों से ऋण ले सकते हैं।
- गरीब, जो मजदूरी करके अपना पेट पालते हैं और उसके पास न तो ज़मीन है न अपना रोजगार – **सामान्य क्रेडिट कार्ड** के माध्यम से बैंकों से ऋण ले सकते हैं।

आज बचत, कल अपना व्यवसाय,
बैंक से जुड़ जीवन सफल बनाएं

स्वंय सहायता समूह बनाओ,
अपना बैंक, खुद चलाओ

7. स्वयं सहायता समूह क्या है?

स्वयं सहायता समूह 15 से 20 समान पृष्ठभूमि वाले निर्धन ग्रामीण सदस्यों का एक समूह है, जो संगठित होकर नियमित रूप से अपनी क्षमतानुसार एक निर्धारित राशि (जैसे रू. 30/50/100 मासिक) समूह निधि में बचत करते हैं। जमा राशि को सदस्य, आपस में बैठकर कर, अपने आकस्मिक व व्यावसायिक कार्य के लिए लेन देन करते हैं।

8. स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम क्या है?

स्वयं सहायता समूह, बैंक में समूह के नाम से खाता खोल सकते हैं तथा ऋण ले सकते हैं। बैंक के ऋण से समूह निधि बढ़ती है जिससे समूह के सदस्य छोटे–छोटे व्यवसाय जैसे बकरी पालन, चाय दुकान, खेती इत्यादि से अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं।

9. किसान क्रेडिट कार्ड क्या है?

किसान क्रेडिट कार्ड का प्रमुख उद्देश्य किसानों को सरल प्रक्रिया द्वारा समय पर उपयुक्त मात्रा में धन उपलब्ध कराना है जिससे किसानों की सभी कृषि सम्बन्धी (बीज, खाद, दवाई, सिंचाई उपकरण, आदि) आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके। इसके अन्तर्गत बैंक आपकी क्षमतानुसार ऋण की सीमा तय करता है। आप उस सीमा के अन्तर्गत कभी भी पैसे जमा या निकाल सकते हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड बनवाओ,
खेतों में सोना उपजाओ

10. सामान्य क्रेडिट कार्ड क्या है?

इस क्रेडिट कार्ड का मुख्य उद्देश्य उन गरीब मजदूरों को ऋण उपलब्ध कराना है जिनके पास न खेती की ज़मीन है और न अपना रोजगार। इसके अन्तर्गत बैंक आपकी क्षमतानुसार ऋण की सीमा तय करता है। आप उस सीमा के अन्तर्गत कभी भी पैसे जमा या निकाल सकते हैं।

11. स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड क्या है?

इस कार्ड का प्रमुख उद्देश्य उन गरीबों को ऋण उपलब्ध कराना है जिनके पास अपना रोज़गार है। इसके अन्तर्गत बैंक आपकी क्षमतानुसार ऋण की सीमा तय करता है। आप उस सीमा के अन्तर्गत अपने रोज़गार की जरूरत के अनुसार पैसे जमा या निकाल सकते हैं।

स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड बनवाओ,
अपना व्यवसाय, आसानी से चलाओ

12. संयुक्त देयता समूह क्या है?

यह गरीब एवं बिना जमीन के किसानों अथवा गरीब स्वरोज़गारी ग्रामीणों का ऐसा समूह है जिसके माध्यम से बैंक से ऋण लिया जा सकता है। इसमें ऋण अदायगी की जिम्मेदारी पूरे समूह की होती है।

13. धन प्रेषण की सरल एवं सहज प्रक्रिया कौन सी है?

बैंक के माध्यम से पूरे देश में कहीं भी तथा कभी भी, कम समय में धन प्रेषण किया जा सकता है।

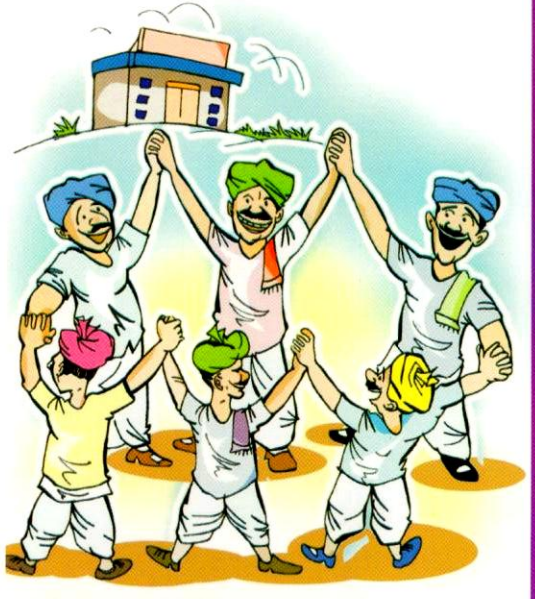

संयुक्त देयता समूह बनाओ,
स्वंय में एक ताकत बन जाओ

बैंक से जुड़, स्वास्थय बीमा करवाया,
बीमारी में भइया, बहुत काम आया

14. बीमा करवाने के क्या फायदे हैं?

बीमा कराने से आपको एवं परिवार को किसी भी आपातकालीन अथवा दुर्घटना के समय बीमे की रकम से मदद मिलती है। सरकार द्वारा गरीबों के लिए खास कम अधिमूल्य [Premium] पर बीमा सुविधा विभिन्न संस्थाओं द्वारा उपलब्ध है। बैंक द्वारा बीमा कराने की सुविधा ऋण लेने के समय प्रदान की जाती है।

15. बैंक तो गाँव से बहुत दूर है, बैंक की सुविधा पाने के लिए दिन भर की दिहाड़ी लग जाती है!

वित्तीय समावेशन के अंतर्गत मार्च 2012 तक सभी 2000 से अधिक आबादी वाले गाँवों में बैंकिग सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश है। यह सुविधा मोबाइल बैंक शाखा या बिजनेस कॉरसपोन्डेंट, स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है।

16. बिजनेस कॉरसपोन्डेंट किसको कहते है? ये हमारी मदद कैसे कर सकते हैं?

बिजनेस कॉरसपोन्डेंट बैंक के द्वारा नियुक्त किये गये बैंक के प्रतिनिधि होते हैं जो बैंक की सारी सुविधाएँ ग्राहकों को उनके गाँव में ही उपलब्ध कराते है। जमा की गई राशि की जिम्मेदारी बैंक की होती है।

17. क्या सच में अब गरीब भी बैंकों से आसानी से जुड़ सकता है?

हाँ, वित्तीय समावेशन का यही उद्देश्य है इसलिए : साहूकार से नाता तोड़ो, छोटी छोटी बचत करो, चतुराई से निवेश करो, बैंक से जुड़ कर बचत, सस्ते ऋण, बीमा व आसान भुगतान व प्रेषण की सुविधा लो तथा अपने जीवन स्तर में सुधार लाओ।

गुरू की सीख–करो चतुराई से निवेश

गुरू ने दिया तीनो शिष्यों को एक बोरी धान।
आने पर देखूंगा कि तुम लोगो ने इसका क्या किया?
पहले ने पकाया खाया। खाने में ही सारा धान खत्म।
दूसरे ने सिरहाने में सहेज कर रखा। पड़े–पड़े सारा धान खराब हो गया।
तीसरे ने बोया, खेती की, फसल लहराई पैदावार अच्छी हुई, खुशहाली आई।
पहले और दूसरे शिष्यों के हाथ खाली थे। पर तीसरे के साथ धान की बोरियों का अम्बार।
गुरू की सीख
सारा धन खाने पीने में ही खर्च कर दोगे, तो आगे का क्या होगा?
धन उपयोग न करने से भी नष्ट होता है।
चतुराई से निवेश करो
धन से धन कमाओ!

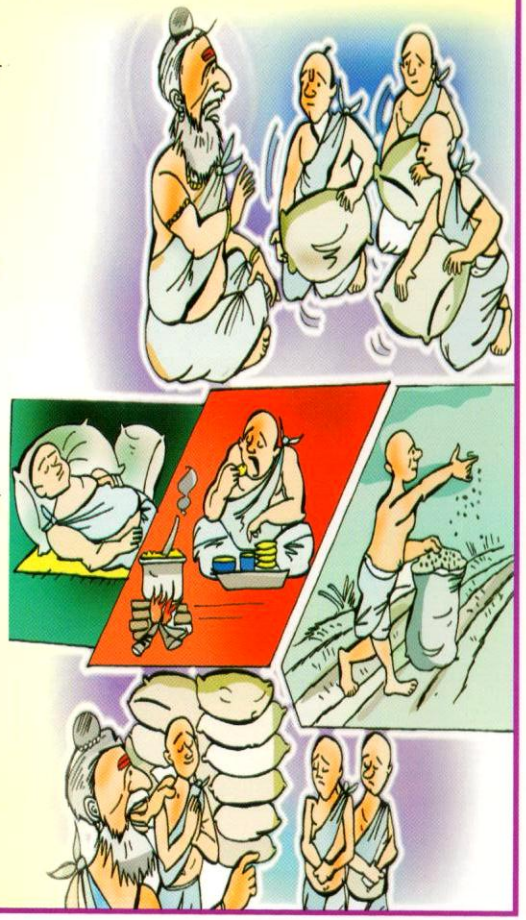

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
वित्तीय साक्षरता अनुभाग, उ.प्र. क्षेत्रीय कार्यालय, 11, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226 010, दूरभाष : 0522–2399214, 2399213
e-mail : fidlucknow@gmail.com/website:www.nabard.org

वित्तीय समावेशन – क्या, क्यों और कैसे ?

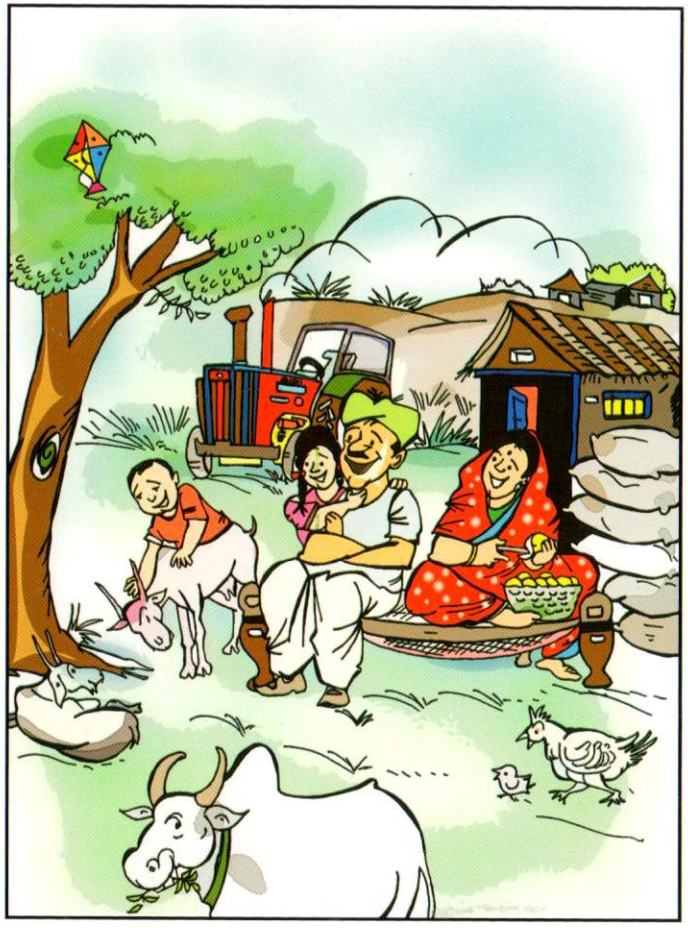

बैंक का खाता करे कमाल, इससे होंगे सभी खुशहाल

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
उ.प्र. क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ